YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

IND vs ENG गुरनूर बराड़ की बड़ी गलती, ICC ने दी कड़ी सजा!

विषय सूची (Table of Contents):

>> क्या है पूरा मामला? 8वें ओवर में बेन डकेट के साथ हुई घटना...

>> मैदान पर बढ़ा तनाव...

>> आईसीसी के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन क्या कहता है नियम?...

>> लेवल 1 के उल्लंघन के तहत कार्रवाई...

>> गुरनूर बराड़ पर एक्शन मिली फटकार और एक डिमेरिट पॉइंट...

>> मैच अधिकारियों की भूमिका अंपायरों ने कैसे लिया संज्ञान...

>> मैच रेफरी की रिपोर्ट पर अंतिम मुहर...

>> पहले वनडे में गुरनूर का प्रदर्शन डकेट के प्रहार के बाद झटके 3 विकेट...

>> दूसरे स्पेल में शानदार वापसी...

>> टीम इंडिया के गेंदबाज के लिए चेतावनी 3 और गलतियां बन सकती हैं बैन का कारण...

>> आगामी मैचों में रहना होगा सतर्क...

>> निष्कर्ष (Conclusion)...

>> आपके सवाल, हमारे जवाब...

भारत और इंग्लैंड (IND vs ENG) के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले ही मुकाबले में एक बड़ा विवाद सामने आया है। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को मैच के दौरान अभद्र और खतरनाक व्यवहार करने के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) द्वारा कड़ी सजा दी गई है। यह घटना दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गई है।

आईसीसी ने इस मामले पर अपना आधिकारिक फैसला कार्डिफ में होने वाले दूसरे वनडे मैच से ठीक पहले सुनाया है। भारतीय खेमे के लिए यह एक बड़ा झटका है क्योंकि टीम इस समय सीरीज में अपनी बढ़त मजबूत करने की कोशिश कर रही है। खेल भावना को ठेस पहुंचाने के कारण इस युवा खिलाड़ी को अब कड़े नियमों का सामना करना पड़ रहा है।

क्या है पूरा मामला? 8वें ओवर में बेन डकेट के साथ हुई घटना

यह पूरा विवाद इंग्लैंड की पारी के 8वें ओवर के दौरान शुरू हुआ। भारत की तरफ से गुरनूर बराड़ गेंदबाजी कर रहे थे और क्रीज पर इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज बेन डकेट मौजूद थे। इस ओवर में गुरनूर बराड़ ने एक गेंद फेंकने के बाद उसे फील्ड किया और बिना किसी जरूरत के बेहद खतरनाक तरीके से बेन डकेट की तरफ थ्रो कर दिया।

मैदान पर बढ़ा तनाव

गेंद सीधे बल्लेबाज के पास से गुजरी, जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता था। डकेट ने इस पर तुरंत अपनी नाराजगी जाहिर की। मैच में मौजूद अन्य खिलाड़ियों और मैदानी अंपायरों ने स्थिति को संभाला, लेकिन बराड़ का यह रवैया आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के खिलाफ माना गया।

क्रिकेट जगत में इस तरह के व्यवहार को बिल्कुल भी बढ़ावा नहीं दिया जाता है। अंपायरों ने इस घटना को गंभीरता से नोट किया और खेल खत्म होने के बाद मैच रेफरी को इसकी लिखित शिकायत सौंप दी।

यह भी पढ़ें:करिना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा!

आईसीसी के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन: क्या कहता है नियम?

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के नियमों के अनुसार, गुरनूर बराड़ को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 (Article 2.9 of ICC Code of Conduct) के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह नियम मैच के दौरान किसी भी खिलाड़ी, अंपायर या सहायक स्टाफ की तरफ अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद फेंकने से संबंधित है।

लेवल 1 के उल्लंघन के तहत कार्रवाई

आईसीसी आचार संहिता के तहत इस तरह की गलती को लेवल 1 (Level 1 Offence) का अपराध माना जाता है। इस नियम के प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित हैं:

>> आधिकारिक फटकार:खिलाड़ी को उसके अनुचित व्यवहार के लिए लिखित या मौखिक रूप से कड़ी चेतावनी दी जाती है।

>> मैच फीस में कटौती:इस स्तर के उल्लंघन पर दोषी खिलाड़ी पर अधिकतम 50 प्रतिशत तक की मैच फीस का जुर्माना लगाया जा सकता है।

>> डिमेरिट पॉइंट्स:खिलाड़ी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक या दो डिमेरिट अंक (Demerit Points) जोड़ दिए जाते हैं।

गुरनूर बराड़ पर एक्शन: मिली फटकार और एक डिमेरिट पॉइंट

आईसीसी ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरनूर बराड़ को आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई है। इसके साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में 1 डिमेरिट पॉइंट (1 Demerit Point) भी जोड़ दिया गया है। लेटेस्ट अपडेट (Latest Update) के अनुसार, बराड़ ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके कारण औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी।

यदि कोई खिलाड़ी इस तरह के व्यवहार को बार-बार दोहराता है, तो उसके संचित डिमेरिट अंक बढ़ते जाते हैं। आईसीसी 2026 के कड़े नियमों के मुताबिक, खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता को काबू में रखने की सख्त हिदायत दी जाती है, ताकि खेल की गरिमा बनी रहे।

यह भी पढ़ें:योगी सरकार का बड़ा कमाल! आवास, पेंशन और रोजगार में यूपी बना नंबर 1

मैच अधिकारियों की भूमिका: अंपायरों ने कैसे लिया संज्ञान

मैदान पर घटित हुई इस अप्रिय घटना पर मैच अधिकारियों ने तुरंत कड़ा रुख अपनाया। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और माइक बर्न्स ने खेल के दौरान ही बराड़ को टोक दिया था। इसके बाद उन्होंने तीसरे अंपायर सैम नोगाज्स्की और चौथे अंपायर रसेल वॉरेन के साथ मिलकर इस मामले की पूरी समीक्षा की।

मैच रेफरी की रिपोर्ट पर अंतिम मुहर

सभी चारों अंपायरों ने सर्वसम्मति से तेज गेंदबाज के खिलाफ खेल भावना के विपरीत आचरण करने का आरोप लगाया। इस रिपोर्ट के आधार पर मैच रेफरी ने खिलाड़ी का बयान लिया और सजा की लिस्ट (List) में उनका नाम दर्ज करते हुए आधिकारिक फैसला सुना दिया। आईसीसी की इस त्वरित कार्रवाई से युवा खिलाड़ियों को कड़ा संदेश मिला है।

पहले वनडे में गुरनूर का प्रदर्शन: डकेट के प्रहार के बाद झटके

अगर मैच में गुरनूर बराड़ के क्रिकेटिंग प्रदर्शन की बात करें, तो उनका शुरुआती स्पेल बेहद निराशाजनक रहा था। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने उनकी गेंदों पर तगड़ा प्रहार किया था और जमकर रन बटोरे थे। शुरुआती ओवरों में बराड़ पूरी तरह से बेअसर दिखाई दे रहे थे और महंगे साबित हो रहे थे।

दूसरे स्पेल में शानदार वापसी

हालांकि, कप्तान के भरोसा जताने पर गुरनूर बराड़ ने अपने दूसरे स्पेल में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और विरोधी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। लेकिन उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन पर मैच के दौरान की गई उस एक गलती ने पानी फेर दिया और वह सुर्खियों में आ गए।

यह भी पढ़ें:यूपी का ऐतिहासिक रिकॉर्ड! आवास और सरकारी योजनाओं में बना नंबर-1

टीम इंडिया के गेंदबाज के लिए चेतावनी: 3 और गलतियां बन सकती ह

गुरनूर बराड़ को आईसीसी से मिली यह सजा उनके करियर के लिए एक बड़ी चेतावनी है। वर्तमान में उनका डिमेरिट स्टेटस (Status) 1 अंक पर पहुंच चुका है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, यदि कोई खिलाड़ी 24 महीने के भीतर 4 या उससे अधिक डिमेरिट अंक प्राप्त कर लेता है, तो उस पर एक या दो मैचों का प्रतिबंध (Ban) लगा दिया जाता है।

आगामी मैचों में रहना होगा सतर्क

इसका मतलब यह है कि अगर गुरनूर बराड़ अगले कुछ महीनों में 3 बार और इस तरह की गलती दोहराते हैं, तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से निलंबित किया जा सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन ने भी युवा गेंदबाज को अपने गुस्से पर काबू रखने और आगामी मैचों में पूरी तरह सतर्क रहने की सलाह दी है।

निष्कर्ष (Conclusion)

भारत बनाम इंग्लैंड वनडे सीरीज के पहले मैच में गुरनूर बराड़ की यह हरकत युवा क्रिकेटरों के लिए एक सबक है। मैदान पर आक्रामकता दिखाना सही है, लेकिन जब वह आक्रामकता नियमों के दायरे को पार कर जाती है, तो खिलाड़ी के साथ-साथ पूरी टीम को इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है। उम्मीद है कि भारतीय गेंदबाज अपनी इस गलती से सीख लेंगे और अगले मैचों में बेहतरीन खेल भावना का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ी अपने आगामी मैचों का शेड्यूल ऑनलाइन चेक (Check) कर सकते हैं और आधिकारिक वेबसाइट से नियमों की PDF गाइड भी डाउनलोड कर सकते हैं।

आपके सवाल, हमारे जवाब

गुरनूर बराड़ को पहले वनडे मैच के दौरान इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट की तरफ खतरनाक तरीके से गेंद फेंकने के कारण आईसीसी ने सजा दी है।

यह विवादित घटना इंग्लैंड की पारी के 8वें ओवर के दौरान घटी जब गुरनूर बराड़ गेंदबाजी कर रहे थे।

उन्हें आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 (Article 2.9) के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो खतरनाक थ्रो से संबंधित है.

आईसीसी ने उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई है और उनके खाते में 1 डिमेरिट पॉइंट (Demerit Point) जोड़ दिया है।

नहीं, अभी उन पर कोई बैन नहीं लगा है। वे कार्डिफ में होने वाले दूसरे वनडे में खेलने के लिए उपलब्ध हैं।

यदि कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि के भीतर 4 या उससे अधिक डिमेरिट अंक प्राप्त कर लेता है, तो उस पर निलंबन (Ban) का खतरा मंडराने लगता है।

मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और माइक बर्न्स, तीसरे अंपायर सैम नोगाज़्स्की और चौथे अंपायर रसेल वॉरेन ने मिलकर यह शिकायत दर्ज कराई थी।

शुरुआत में महंगे साबित होने के बाद गुरनूर बराड़ ने अपने दूसरे स्पेल में शानदार वापसी की और कुल 3 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

हाँ, उन्होंने मैच रेफरी के सामने अपनी गलती और सजा को स्वीकार कर लिया है, जिससे इस मामले की औपचारिक सुनवाई टल गई।

लेवल 1 के उल्लंघन पर न्यूनतम सजा केवल आधिकारिक फटकार है, जबकि अधिकतम सजा में मैच फीस का 50% जुर्माना और 1 या 2 डिमेरिट पॉइंट्स शामिल हैं।